परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय - 6

पश्चिमी क्षेत्र, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400094

कक्षा - 6

तृतीय भाषा (संस्कृत) **दशम: पाठ: कृषिका: कर्मवीरा: अभ्यास प्रश्न**

---

1. **<u>उच्चारणं कुरुत</u> -**

सूर्यस्तपतु	**जीर्णम्**	**शीतकालेऽपि**
वारयितुम्	**ग्रीष्मे**	**सस्यपूर्णानि**
पद्त्राणे	**कण्टकावृता**	**क्षुधा-तृषाकुलौ**

2. **<u>श्लोकांशान् योजयत</u>-**

क	**ख**
गृहं जीर्णं न वर्षासु	तौ तु क्षेत्राणि कर्षत: |
हलेन च कुदालेन	या शुष्का कण्टकावृता |
पादयोर्न पादत्राणे	सस्यपूर्णानि सर्वदा|
तयो: श्रमेण क्षेत्राणि	शरीरे वसनानि नो|
धरित्री सरसा जाता	वृष्टिं वारयितु क्षमम् |

3. **<u>उपयुक्तकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुपयुक्तकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत</u>-**

यथा-	**कृषका: शीतकालेऽपि कर्मठा: भवन्ति |**	**आम्**
	कृषका: हलेन क्षेत्राणि न कर्षन्ति |	न
(क)	कृषका: सर्वेभ्य: अन्नं यच्छन्ति |	आम

(ख)	कृषकाणां जीवनं कष्टप्रदं न भवति ।	न
(ग)	कृषक: क्षेत्राणि सस्यपूर्णानि करोति|	आम्
(घ)	शीते शरीरे कम्पनं न भवति ।	न
(ङ)	श्रमेण धरित्री सरसा भवति ।	आम्

4. **<u>मञ्जूषात:पर्यायवाचिपदानि चित्वा लिखत</u>-**

रवि:	**वस्त्राणि**	**जर्जरम्**	**अधिकम्**	**पृथ्वी**	**पिपासा**

वसनानि	**<u>वस्त्राणि</u>**
सूर्य:	**<u>रवि:</u>**
तृषा	**<u>पिपासा</u>**
विपुलम्	**<u>अधिकम्</u>**
जीर्णम्	**<u>जर्जरम्</u>**
धरित्री	**<u>पृथ्वी</u>**

5. **<u>मञ्जूषात: विलोमपदानि चित्वा लिखत</u> -**

धनिकम्	**नीरसा**	**अक्षमम्**	**दु:खम्**	**शीते**	**पार्श्वे**

सुखम्	**<u>दु:खम्</u>**
दूरे	**<u>पार्श्वे</u>**
निर्धनम्	**<u>धनिकम्</u>**
क्षमम्	**<u>अक्षमम्</u>**
ग्रीष्मे	**<u>शीते</u>**
सरसा	**<u>नीरसा</u>**

6. **<u>प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत</u> -**

(क) कृषका: केन क्षेत्राणि कर्षन्ति ?

उत्तर - कृषका: हलेन कुदालेन च क्षेत्राणि कर्षन्ति |

(ख) केषां कर्मवीरत्वं न नश्यति ?

उत्तर - कृषकाणां कर्मवीरत्वं न नश्यति |

(ग) श्रमेण का सरसा भवति ?

उत्तर - श्रमेण धरित्री सरसा भवति |

(घ) कृषका: सर्वेभ्य: किं किं यच्छन्ति?

उत्तर - कृषका: सर्वेभ्य: शाकम् , अन्नंम् , दुग्धम् , फलम् च यच्छन्ति |

(ङ) कृषकात् दूरे किं तिष्ठति ?

उत्तर - सुखम् कृषकात् दूरे तिष्ठति